



प्रिय श्रीमती निर्मला सीतारमन जी,

महाराष्ट्र राज्य के नागपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता श्री मोहनीश जबलपुरे का पत्र में आपको संलग्न कर प्रेषित कर रहा हूँ। जिसमें श्री जबलपुरे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा समाज सेवा के लिये खर्च किये जा रहे करोड़ों रूपये के फंड की जांच कराने की मांग की है।

इस संबंध में श्री मोहनीश जबलपुरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को भी पत्र लिखकर कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने संगठन को आज तक शासकीय नियमों के अन्तर्गत रजिस्टर्ड नहीं किया है। यह संगठन बिना रजिस्ट्रेशन कराये करोड़ों रूपये एकत्र कर समाजसेवा के नाम खर्च करने की सार्वजनिक रूप से जानकारी दे रहा है। श्री जबलपुरे ने बताया कि आर.एस.एस. ने अपने ट्वीटर एकाउंट से देश में सात करोड़ से अधिक खाने के पैकेट, एक करोड़ से अधिक के राशन थैले सहित लाखों की तादाद में अन्य वस्तुएं बांटने की जानकारी दी है।

युवा कार्यकर्ता श्री जबलपुरे का कहना है कि आर.एस.एस. के पास चंदे के रूप में अरबों रूपया आता है। इस संगठन में लाखों स्वयंसेवी कार्यकर्ता हैं। आर.एस.एस. जब करोड़ों रूपये की सामग्री जनता तक बांट रहा है तो प्राप्त धनराशि का हिसाब किसके पास है। यह संस्था बिना पंजीयन कराये करोड़ों रूपये के काम कर रहा है। जबकि देश के नियम, कानून यह कहते हैं कि नियमानुसार इतने बड़े संगठन को न सिर्फ पंजीयन कराना चाहिये, बल्कि चंदे और दान में मिलने वाले करोड़ों रूपये के फंड का ऑडिट कराना चाहिये। जिससे केन्द्र शासन की एजेंसियों को फंड देने वालों के साथ फंड से उपयोग या दुरुपयोग की जानकारी हो सके।

सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद जब राजनैतिक पार्टियों को प्राप्त करोड़ों रूपये के चंदे की जानकारी दी जा रही है तो आर.एस.एस. को प्राप्त फंड की जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही। संघ का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं कराया जा रहा। इसलिये संघ की गतिविधियों शंका के दायरे में हैं। सामाजिक कार्यकर्ता श्री जबलपुरे ने बताया कि संघ के विदेशों में कार्यकर्ता और अनुयायी हैं।

दिग्विजय सिंह

संसद सदस्य - राज्य सभा



बी-1, श्यामला हिल्स, भांपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-2441788, 2441790

64, लोधी ईस्टेट, नई दिल्ली
फोन : 011-24628655

ई-मेल : digvijaya.singh@sansad.nic.in
dvsofficebhopal@gmail.com

क्रमांक 1596/2021

दिनांक 22/10/2021

-2-

भारत सरकार की एजेंसियों को आर.एस.एस. द्वारा किये जा रहे करोड़ों रुपये के आय व्यय की जांच करना चाहिये। जिससे देश में आयकर देने वाले दानदाताओं और चंदा देने वालों को आर.एस.एस. द्वारा संग्रहित और व्यय किये जा रहे रुपये की जानकारी मिल सके। ऐसे संगठन का अपना खर्च भी पोर्टल पर सार्वजनिक करना चाहिये। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी कालेधन के घोर विरोधी हैं। इसी के सफाये के लिये उन्होने नोटबंदी जैसे कदम उठाये थे। हालांकि न विदेशों से अभी तक काला धन आया है न देश में बरामद किया गया है।

मेरा आपसे निवेदन है कि वित्त मंत्रालय के अधीन अनेक जांच एजेंसियाँ हैं, जो देशी, विदेशी काले धन की जांच करती हैं। श्री मोहनीश जबलपुरे द्वारा उठाये गये बिंदुओं के आधार पर पूर्ण पारदर्शिता के लिये भाजपा की मातृ संस्था आर.एस.एस. द्वारा किये जा रहे करोड़ों रुपये के लेनदेन की जांच कराने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को भारत सरकार और राज्य सरकार के विधान के अनुरूप पंजीकृत कराने के निर्देश देने का कष्ट करें।

सहयोग के लिए मैं आपका आभारी रहूँगा।

सादर,

आपका

(दिग्विजय सिंह)

श्रीमती निर्मला सीतारमन
माननीय वित्तमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

प्रतिलिपि :- श्री मोहनीश जबलपुरे, चित्रा टाकीज के सामने, महल, नागपुर, महाराष्ट्र, की ओर सूचनार्थ।

(दिग्विजय सिंह)